
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
12th GEOGRAPHY
ARJUN BATCH
मानव भूगोल
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
अध्याय-8 | भाग-03
18 सितंबर 2026 || 05:00 PM

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

1. व्यापार संयोजन
2. व्यापार संतुलन



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

व्यापार संयोजन

- पिछली शताब्दी में, देशों द्वारा आयातित तथा निर्यातित वस्तुओं और सेवाओं के प्रकार में परिवर्तन हुए हैं।
- पिछली शताब्दी के आरंभ में, प्राथमिक उत्पादों का व्यापार प्रधान था।
- बाद में, विनिर्मित वस्तुओं ने प्रमुखता प्राप्त कर ली और वर्तमान समय में यद्यपि विश्व व्यापार का अधिकांश विनिर्माण क्षेत्र के

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आधिपत्य में है, सेवा क्षेत्र जिसमें यात्रा, परिवहन तथा अन्य व्यावसायिक सेवाएँ सम्मिलित हैं।

- 2005 से 2015 तक विश्व व्यापारिक निर्यात में विनिर्मित सब से अधिक योगदान करते हैं।
- ईंधन और खनन उत्पाद तथा कृषि उत्पाद भी व्यापारिक निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

व्यापार की दिशा

- ऐतिहासिक रूप से वर्तमान कालिक विकासशील देश मूल्यपरक वस्तुओं तथा शिल्प आदि का निर्यात किया करते थे जो यूरोपीय देशों को निर्यात की जाती थी।
- 19वीं शताब्दी के दौरान व्यापार की दिशा में प्रत्यावर्तन हुआ।
- यूरोपीय देशों ने विनिर्माण वस्तुओं को अपने उपनिवेशों से खाद्य पदार्थ तथा कच्चे माल के बदले, निर्यात करना शुरू कर दिया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका विश्व में बड़े व्यापारिक साझेदार के रूप में उभरे और विनिर्माण वस्तुओं के व्यापार में अग्रणी बने।
- उस समय जापान भी तीसरा महत्त्वपूर्ण व्यापारिक देश था।
- 20वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में विश्व व्यापार की पद्धति में तीव्र परिवर्तन हुए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- यूरोप के उपनिवेश समाप्त हो गए जबकि भारत, चीन और अन्य विकासशील देशों ने विकसित देशों के साथ प्रतिस्पर्धा शुरू कर दी। व्यापारित वस्तुओं की प्रकृति भी बदल गई।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

व्यापार संतुलन

व्यापार संतुलन, एक देश के द्वारा अन्य देशों को आयात एवं इसी प्रकार निर्यात की गई वस्तुओं एवं सेवाओं की मात्रा (परिमाण) का प्रलेखन करता है।



भारत → चीन, U.S.A, रूस

आयात ? निर्यात

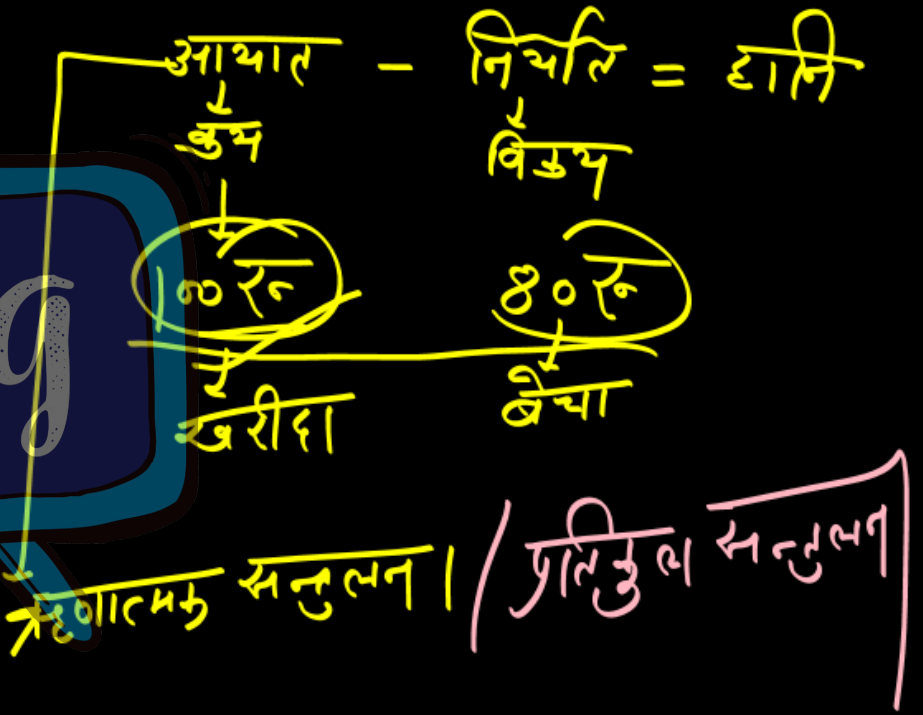
वस्तु व सेवा

परिमाण (मात्रा) || दिशा (प्रदेश) ||

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- यदि आयात का मूल्य, देश के निर्यात मूल्य की अपेक्षा अधिक है तो देश का व्यापार संतुलन ऋणात्मक अथवा प्रतिकूल है।
- यदि निर्यात का मूल्य, आयात के मूल्य की तुलना में अधिक है तो देश का व्यापार संतुलन धनात्मक अथवा अनुकूल है।



→ आयात − निर्यात = ऋणात्मक | प्रतिकूल सन्तुलन |

100 रु − 80 = 20 Loss

→ आयात − निर्यात = धनात्मक | अनुकूल सन्तुलन |

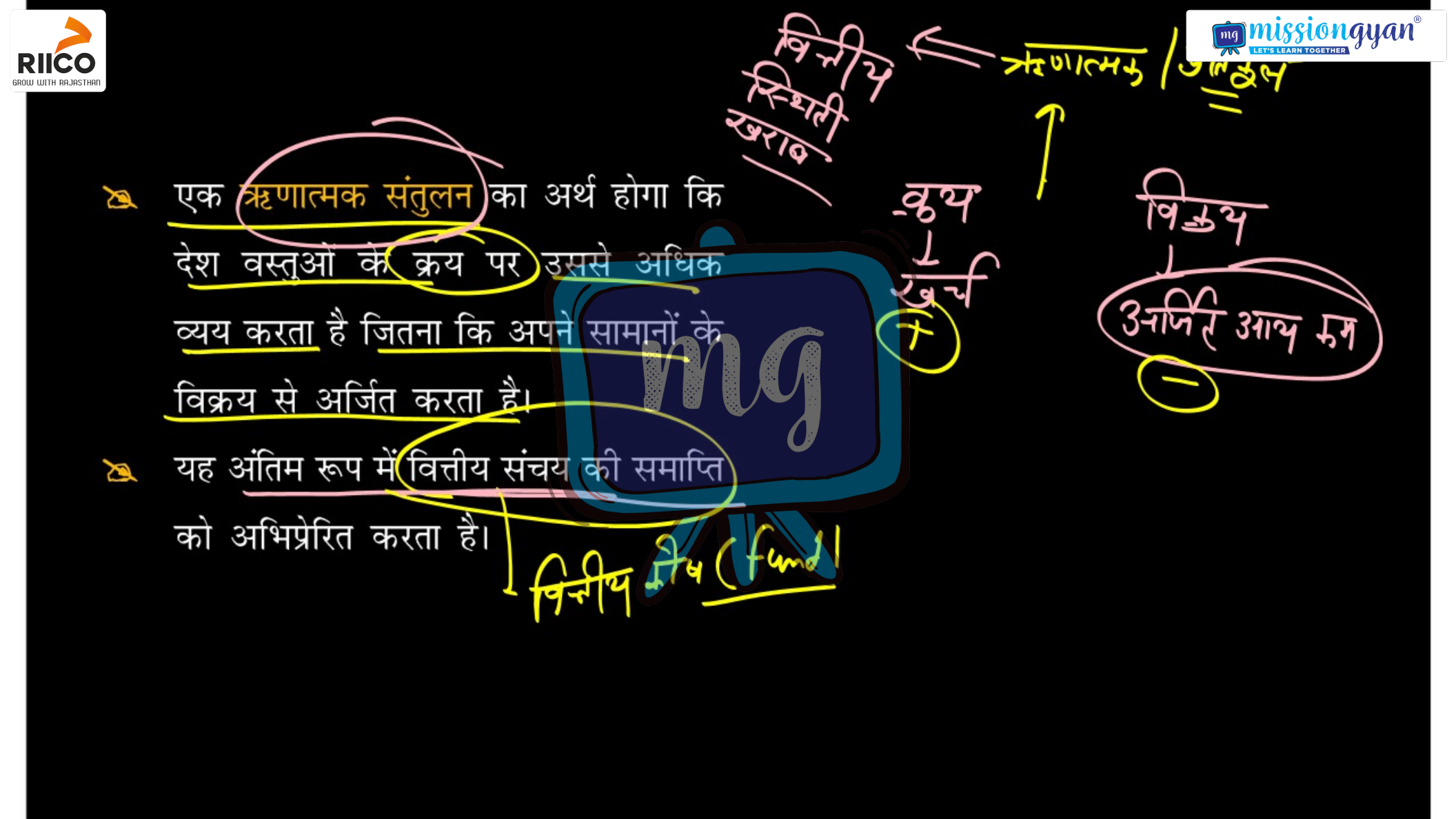
80 रु — 100 रु = 20 profit

Rs.

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- एक ऋणात्मक संतुलन का अर्थ होगा कि देश वस्तुओं के क्रय पर उससे अधिक व्यय करता है जितना कि अपने सामानों के विक्रय से अर्जित करता है।
- यह अंतिम रूप में वित्तीय संचय की समाप्ति को अभिप्रेरित करता है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विश्व व्यापार संगठन

- 1948 में विश्व को उच्च सीमा शुल्क और विभिन्न प्रकार की अन्य बाधाओं से मुक्त कराने हेतु कुछ देशों के द्वारा जनरल एग्रीमेंट ऑन ट्रेड एंड टैरिफ (GATT) का गठन किया गया।
- 1994 में सदस्य देशों के द्वारा राष्ट्रों के बीच मुक्त एवं निष्पक्ष व्यापार को बढ़ा प्रोन्नत करने के लिए एक स्थायी संस्था के

जनरल एग्रीमेंट ऑन ट्रेड एण्ड टैरिफ (GATT)

- स्थापना - 1948
- उद्देश्य - उच्च सीमा शुल्क व व्यापार से सम्बन्धित बाधाओं को दूर करना

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

निर्माण का निश्चय किया गया था तथा 1 जनवरी 1995 से (GATT) को विश्व व्यापार संगठन (WTO) में रूपांतरित कर दिया गया।



WTO (विश्व व्यापार संगठन)

→ स्थापना

→ पहले संस्था →

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- विश्व व्यापार संगठन का मुख्यालय जिनेवा (स्विटजरलैंड) में स्थित है।
- 2016 में 164 देश विश्व व्यापार संगठन के सदस्य थे।
- भारत विश्व व्यापार संगठन के संस्थापक सदस्य में से एक रहा है।
- विश्व व्यापार संगठन एकमात्र ऐसा अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो राष्ट्रों के मध्य वैश्विक नियमों का व्यवहार करता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- यह विश्वव्यापी व्यापार तंत्र के लिए नियमों को नियत करता है और इसके सदस्य देशों के मध्य विवादों का निपटारा करता है।
- विश्व व्यापार संगठन दूरसंचार और बैंकिंग जैसी सेवाओं तथा अन्य विषयों जैसे बौद्धिक संपदा अधिकार के व्यापार को भी अपने कार्यों में सम्मिलित करता है।

व्यापार सन्तुलन

→ किसी देश के द्वारा वस्तु व सेवाओं के परिमाण (मात्रा) के आधार - निर्यात का प्रदर्शन करना व्यापार सन्तुलन कहलाता।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

व्यापार सन्तुलन

ऋणात्मक / प्रतिकूल

⇓

आयात − निर्यात = प्रतिकूल

(+)

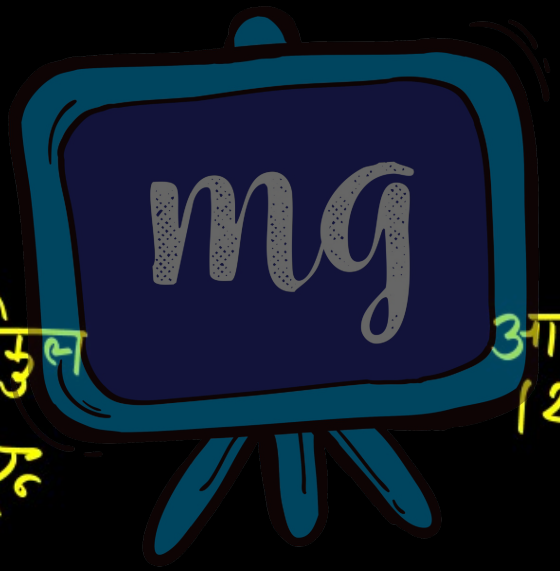
100 रु − 80 रु = 20 रु

धनात्मक / अनुकूल

⇓

आयात − निर्यात = धनात्मक

120 रु − 150 रु = 30 रु



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संयुक्त राष्ट्र संघ
(U.N.O)

- स्थापना - 24 Oct 1945
- मुख्यालय → न्यूयॉर्क (U.S.A)
- वर्तमान सदस्य - 193 (last - दक्षिण सूडान)
- जनक → डी० रूजवेल्ट
- मूलतः सदस्य → 51 (last → पोलैण्ड)

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1948

विश्व में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिये

GATT

उद्देश्य → उच्च सीमा शुल्क व अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में उत्पन्न बाँधाओं को दूर करना।

→ 1994 यह निर्धारित किया गया कि GATT नामक अस्थाई संस्था के स्थान पर एक स्थाई संस्था बनायी जाये।

विश्व व्यापार संगठन (WTO)

- → स्थापना — 1 जनवरी 1995
- → मुख्यालय → जिनेवा (स्विट्जरलैण्ड)
- → सदस्य → 164
- → भारत इसका संस्थापक सदस्य रहा।

उद्देश्य → विश्व व्यापार को बढ़ावा देना।

→ अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में बाधाओं को दूर करना।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत में नई औद्योगिक नीति → 24 जुलाई 1991 में घोषित।
① निजिकरण ② उदारीकरण ③ वैश्वीकरण।

- उन लोगों के द्वारा विश्व व्यापार संगठन की आलोचना एवं विरोध किया गया है जो मुक्त व्यापार और अर्थव्यवस्था के भूमंडलीकरण के प्रभावों से परेशान हैं।
- इस पर तर्क किया गया है कि मुक्त व्यापार आम लोगों के जीवन को अधिक संपन्न नहीं बनाता। धनी देशों को और अधिक धनी बनाकर यह वास्तव में गरीब और अमीर के बीच की खाई को बढा रहा है।

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रादेशिक व्यापार समूह

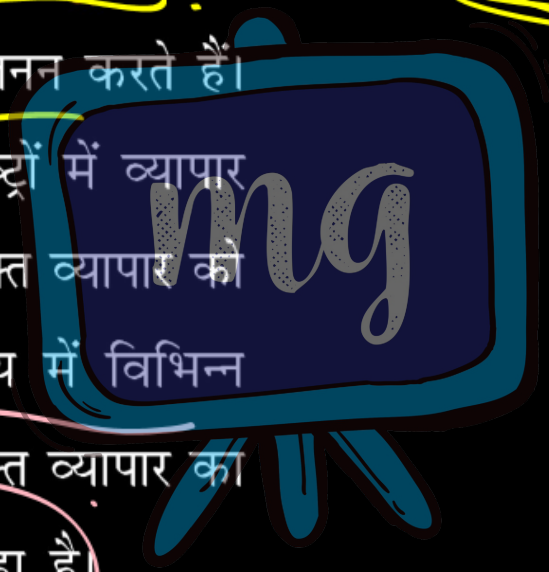
प्रादेशिक व्यापार समूह व्यापार की मदों में भौगोलिक सामीप्य, समरूपता और पूरकता के साथ देशों के मध्य व्यापार को बढ़ाने एवं विकासशील देशों के व्यापार पर लगे प्रतिबंध को हटाने के उद्देश्य से अस्तित्व में आए हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- आज 120 प्रादेशिक व्यापार समूह विश्व के 52 प्रतिशत व्यापार का जनन करते हैं।
- ये प्रादेशिक समूह सदस्य राष्ट्रों में व्यापार शुल्क को हटा देते हैं तथा मुक्त व्यापार को बढ़ावा देते हैं लेकिन भविष्य में विभिन्न व्यापारिक समूहों के बीच मुक्त व्यापार का बने रहना कठिन होता जा रहा है।

120 प्रादेशिक व्यापार समूह
=
52% व्यापार का जनन




mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

प्रमुख प्रादेशिक व्यापार समूह

ASEAN (आसियान)

एसोसिएशन ऑफ साउथ ईस्ट एशियन नेशंस

- मुख्यालय :- जकार्ता (इंडोनेशिया)
- उत्पत्ति :- अगस्त, 1967



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- **वस्तुएँ :-** कृषि उत्पाद, रबड़, ताड़ का तेल, चावल, नारियल, कॉफी, खनिज–ताँबा, कोयला, निकिल और टंगस्टन, ऊर्जा पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा सॉफ्टवेयर उत्पाद।
- **सहयोग के अन्य क्षेत्र :-** आर्थिक वृद्धि को त्वरित करना, सांस्कृतिक विकास, शांति और प्रादेशिक स्थायित्व।

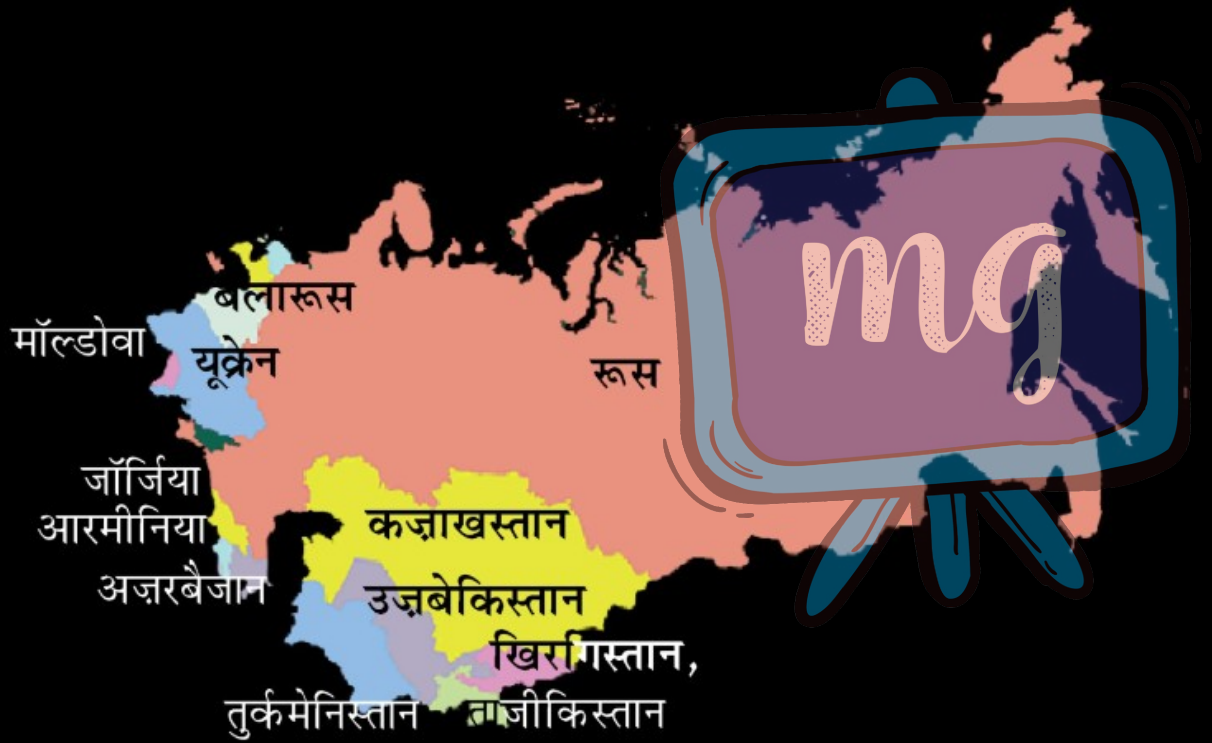
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

सी.आई.एस.

कॉमनवेल्थ ऑफ इंडिपेन्डेन्ट स्टेट्स

- मुख्यालय :- मिंसक (बेलारूस)
- वस्तुएँ :- अशोधित तेल, प्राकृतिक गैस, सोना, कपास, रेशे, एल्यूमिनियम।
- सहयोग के अन्य क्षेत्र :- अर्थव्यवस्था, प्रतिरक्षा और विदेश नीति के मामलों पर समन्वय एवं सहयोग


बेलारूस
मॉल्डोवा
यूक्रेन
रूस
जॉर्जिया
आरमीनिया
अज़रबैजान
कज़ाखस्तान
उज़बेकिस्तान
खिरगिस्तान,
तुर्कमेनिस्तान
ताजीकिस्तान

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

इ.यू.

(यूरोपीय संघ)

- मुख्यालय :- ब्रुसेल्स (बेल्जियम)
- उत्पत्ति :- फरवरी 1992
- सदस्य राष्ट्र :- ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस, चेक गणराज्य, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, हंगरी, आयरलैंड, इटली, लाटविया, लिथुआनिया, लक्ज़मबर्ग, माल्टा, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन, स्वीडन, नीदरलैंड और यूनाइटेड किंगडम।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- **वस्तुएँ :-** कृषि उत्पाद, खनिज, रसायन, लकड़ी, कागज़, परिवहन की गाड़ियाँ, आप्टीकल उपकरण, घड़ियाँ, कलाकृतियाँ, पुरावस्त।
- **सहयोग के अन्य क्षेत्र :-** एकल मुद्रा के साथ एकल बाज़ार।

LAIA

लेटिन अमेरिकन इंटीग्रेशन एसोसिएशन

- मुख्यालय :- मॉण्टेविडिया (उरुग्वे)
- उत्पत्ति :- 1960



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

NAFTA

नार्थ अमेरिकन फ्री ट्रेड एसोसिएशन

- उत्पत्ति :- 1994
- सदस्य राष्ट्र :- संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, मैक्सिको।
- वस्तुएँ :- कृषि उत्पाद, मोटर गाड़ियाँ, स्वचालित पुर्जे, कंप्यूटर, वस्त्र



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ओपेक

आर्गेनाइज़ेशन ऑफ़ पैट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज़

- मुख्यालय :- वियना (ऑस्ट्रिया)
- उत्पत्ति :- 1949
- सदस्य राष्ट्र :- अल्जीरिया, इंडोनेशिया, इरान, ईराक, कुवैत, लीबिया, नाइजीरिया, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और वेनेजुएला।

- वस्तुएँ :- अशोधित खनिज तेल
- सहयोग के अन्य क्षेत्र :- खनिज तेल की नीतियों का समन्वय एवं एकीकरण करना



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

साफ्टा

साउथ एशियन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट

- उत्पत्ति :- जनवरी 2006
- सहयोग के अन्य क्षेत्र :- अंतर-प्रादेशिक व्यापार के करों का घटाना।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

